दैनिक भास्कर

मंडी का जहरीली शराब कांड:कांगड़ा के संसारपुर टैरेस में बनी देशी संतरा पीने से हुई चार लोगों की मौत, नकली दारू का शक

मंडी

पुलिस को मौके से बरामद हुई शराब की बोतल, जिस पर वीआरवी फूड्ज लिमिटेड संसारपुर टैरेस में बनी संतरा देशी शराब का लेवल लगा है।

हिमाचल प्रदेश के जिला मंडी के तहत आते गांव सलापड़ में जिन लोगों की शराब पीने से मौत हुई, उन्होंने अंग्रेजी नहीं बल्कि हिमाचल में ही बनी देशी शराब पी थी। मृतकों के घरों से जो खाली शराब की बोतलें बरामद की गई हैं, उन पर संतरा देशी शराब का लेवल लगा है। इसकी मैन्युफैक्चरिंग वीरीवी फूड्ज प्राइवेट लिमिटेड संसारपुर टैरेस जिला कांगड़ा की दिखाई गई है।

शराब की बोलत पर लगे लेवल पर स्पेशली सेल इन हिमाचल प्रिंट भी किया गया है। हो सकता है कि ऐसा शराब तस्करों ने लोगों को धोखा देने के लिए किया हो। ताकि किसी को भी असली और नकली शराब का पता न चल सके। वैसे बोतल पर पैकिंग की डेट पिछले साल अगस्त महीने की दिखाई दे रही है। अब सवाल यह भी उठता है कि देशी शराब पांच महीने पुरानी पैकिंग से कहां से आई।

पुलिस को मौके से बरामद शराब की पेटी पर भी वीआरवी फूड्ज लिमिटेड का नाम छपा है।

पुलिस को शक नकली शराब का

जांच में जुटी पुलिस को शक है कि बेशक बोतल पर संतरा देशी शराब बनाने वाली वीआरवी फूड्ज लिमिटेड संसारपुर टैरेस का मार्का लगा है, लेकिन बोतल में शराब नकली थी। पुलिस को शक इसलिए भी है कि मरने वाले मामले सिर्फ एक ही स्थान पर आए हैं। शेष हिमाचल में कहीं पर संतरा शराब पीने से मरने का अभी कोई मामला सामने नहीं आया है। एक ही बैच में हजारों बोतलें पैक हुई होंगी और अलग-अलग स्थानों पर सेल लिए गई होंगी।

लेकिन मरने के मामले सिर्फ सलापड़ में आए इससे शक होता है कि संतरा का जाली लेवल लगाकर नकली शराब बेची जा रही थी। इसी बीच यह भी पता चला है कि इलाके में अवैध शराब की सप्लाई चंडीगढ़ से आती है। जबकि संतरा शराब चंडीगढ़ से बिल्कुल उल्टी दिशा जिला कांगड़ा के सीमावर्ती गांव संसारपुर टैरेस में बनती है।

सैंपल जांच के लिए भेजे

फिलहाल पुलिस ने खाली बोतलों को अपने कब्जे में ले लिया है। बोतलों में से थोड़ी बहुत शराब जो थी उसे भी निकाल कर सैंपल भर लिए हैं। पुलिस सैंपलों को लैबोरेटरी में टेस्टिंग के लिए भेजेगी, ताकि सच्चाई पता चल सके कि शराब कितनी जहरीली थी। पुलिस वैसे जिस फैक्ट्री में का लेवल लगा है वहां पर भी जांच करेगी।

यह भी जांचेगी कि कही बीच में कोई ऐसा लाट तो नहीं निकला जिसमें सही में ही जहरीली शराब पैक हो गई हो। वैसे जब भी शराब का कोई बैच पैक होता है उसे बोतलों में भरने से पहले बाकायदा उसका सैंपल लैब में टेस्टिंग के लिए भेजा जाता है। वहां से अप्रूवल मिलने के बाद ही शराब पैक होकर बाहर आती है।

Source: https://www.bhaskar.com/local/himachal/shimla/news/three-people-died-after-drinking-orange-made-in-sansarpur-terrace-kangra-suspected-of-spurious-liquor-129317227.html